भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5522

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर राष्ट्रव्यापी डेटा

† 5522. डॉ. शशि थरूरः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं जैसे पीसीओडी, पीसीओएस और मासिक धर्म के दौरान होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं जैसे शरीर में दर्द, कमजोरी, पेट में ऐंठन आदि पर देशव्यापी आंकड़े दर्ज करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार महिलाओं के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली विभिन्न मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं और उनके संकेतकों का अध्ययन करने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार मासिक धर्म से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में नीति-निर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में मासिक धर्म से संबंधित ऐसी घटनाओं को दर्ज करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के तहत 'मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने की योजना' को क्रियान्वित करता है। इस योजना के क्रियान्वयन से किशोरियों में मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ती है, किशोरियों की सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता की पहुँच बढ़ती है और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित रूप से नष्ट किए जाने को बढ़ावा मिलता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर वार्षिक राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के माध्यम से उक्त योजना में सहायता करता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा तैयार की गई सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री मासिक धर्म के दौरान स्वस्थ आदतों के बारे में जागरूकता सृजन करती है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) 5 (2019-21) दर्शाता है कि 15-24 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक उपलब्धता की पहुंच में सुधार हुआ है, जो एनएफएचएस 4 (2015-16) में 57.6% की तुलना में 77.3% है।

******